# रिम्स में होगा सीआरपीएफ जवानों का इलाज, मिलेगी हेलीपैड की सुविधा

## एमओयू हुआ, बस्तर के लोगों को भी मिलेगा लाभ

■ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर

रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (रिम्स) में प्रदेश के नक्सली क्षेत्रों में तैनात जवानों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएगी. सीआरपीएफ और रिम्स के बीच एमओयू साइन किया गया है. इस दौरान सीआरपीएफ आईजी छत्तीसगढ़ देवेंद्र सिंह चौहान और सीआरपीएफ के चिकित्सकों सहित रिम्स की डीन डॉ. छाया बैनर्जी, चेयरमेन स्वाति राहल, सीईओ जसपाल भामरा सहित रिम्स की पूरी मेडिकल टीम उपस्थित थी. आईजी श्री चौहान ने बताया कि नक्सल क्षेत्रों में सेवा दे रहे जवानों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध करवाने यह निर्णय लिया गया है. रिम्स एक उभरता हुआ चिकित्सा संस्थान है. हम उम्मीद करते हैं कि संस्थान हमारी उम्मीदों पर खरा उतरेगा.

अस्पताल से हुए करार में रिम्स में सीआरपीएफ जवानों का पूरी तरह निःशुल्क इलाज किया जाएगा. अस्पताल की टीम द्वारा निरंतर कैंपों में जाकर स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएंगे. रिम्स को 100 पैरामेडिकल सीटों के लिए भी स्वीकृति मिली है. जिसमें 25 सीटें सीआरपीएफ द्वारा अनुमोदित अभ्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जाएगी. उनकी पढ़ाई से लेकर प्रशिक्षण और हॉस्टल सुविधा पूरी तरह निःशुल्क रहेगी.

### पहली बार हेलीपैड की सुविधा

आईजी श्री चौहान ने बताया रिम्स को चुनने का एक बड़ा कारण यहां हेलीपैड की सुविधा होना है. घायल व बीमार जवानों को हेलीकॉप्टर से लाकर सीधे अस्पताल में दाखिल कराया जा सकेगा. गंभीर स्थितियों में हर पल कीमती होता है. अभी सीआरपीएफ द्वारा घायल जवानों को पहले थाना लाया जाता है, उसके बाद अस्पताल में शिफ्ट किया जाता है. जिसमें 30-40 मिनट लगते हैं. शिफ्टिंग के दौरान गंभीर रुप से घायल जवानों की मौत भी हो जाती है.

### नक्सली क्षेत्र के लोगों को भी देंगे सेवा

रिम्स सीआरपीएफ जवानों को ही नहीं, बल्कि नक्सल क्षेत्र में आयोजित शिविर में स्थानीय लोगों को भी स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाएगी. श्री चौहान ने बताया कि वन्य क्षेत्र में त्वचा रोग, डायरिया, मलेरिया, ट्री मैच्योर डिलीवरी और हेपेटाइटिस जैसी